G.D.MISHRA INSTITUTE OF HIGHER STUDIES, LALGANJ (BUXAR)

B.Ed. SYLLABUS (2019-21)

YEAR: 1ST

CODE	COURSE TITLE	MARKS		
		INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
C-1	Childhood and Growing up	20	80	100
C-2	Contemporary India and Education	20	80	100
C-3	Learning and Teaching	20	80	100
C-4	Language across the Curriculum	10	40	50
C-5	Understanding Disciplines and subject	10	40	50
C-6	Gender, school and society	10	40	50
C-7a	Pedagogy of a school subject part – I	10	40	50
EPC-1	Reading and Reflection on Texts	10	40	50
EPC-2	Drama and Arts in Education	10	40	50
EPC-3	Critical Understanding Of ICT	10	40	50
Engagement with the field : Tasks and Assignments for course 1-6 & 7a		…..	……	……
TOTAL		130	520	650

YEAR: 2ND

CODE	COURSE TITLE	MARKS		
		INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
C-7b	Pedagogy of a school subject part – II	10	40	50
C-8	Knowledge and Curriculum	20	80	100
C-9	Assessment for Learning	20	80	100
C-10	Creating an Inclusive school	10	40	50
C-11	Optional Courses (the following four options)	10	40	50
	(a) Basic Education (c) Health , Yoga and Physical Education (b) Guidance and Counseling (d) Environmental Education			
EPC - 4	Understanding the self			
School internship				
Engagement with the field : Tasks and Assignments for course 7B & 8-10				
	TOTAL	280	370	650

C- 1

Understanding and Growing Up.

Unit - 1

<u>शिक्षार्थी : बचपन और विकास</u>

- बचपन की अवधारणा : ऐतिहासिक व समाकालीन परिप्रेक्ष्य ; प्रमुख विमर्श
- बचपन के दौरान प्रमुख कारक : परिवार , पडोस , समुदाय , और विधालय
- बच्चो , बचपन और उनका विकास : समकालीन वास्तविकता , बिहार के विशेष संदर्भ में

Unit – 2

<u>मानव विकास की समझ</u>

- मानव विकास में प्रमुख अवधारणाएं : वृद्धि , परिपक्वता एवं विकास की अवधारणा ;
  वृद्धि रेखा तथा मानव विकास के संदर्भ में इसकी उपयोगिता ; विकास के बुनियादी सिद्धांत
- शिक्षार्थी का विकास : शारीरिक, संज्ञानात्मक, भाषायी, भावात्मक, सामाजिक व नैतिक ;
  इनके बीच का अंतसम्बंध और शैक्षिक निहितार्थ (पियाजे, इरिक्सन, कोहलबर्ग और गिलिगन के सिद्धांतों के विशेष संदर्भ में)

Unit – 3

<u>किशेरावख्या में शिक्षार्थी</u>

- किशोरावस्था की अवधारणा : रुढ़िगत मान्यताएं, सही समझ की जरूरत, प्रमुख मुद्दे और कारक
- किशोरावस्था को विशेष ध्यान में रखते हुए विकास की अवस्थाओं एवं उनकी विशेषताओं की समझ
- किशोरावस्था में शिक्षार्थियों की गतिविधियां, आकांक्षाएं, द्वंद एवं चुनौतियां, और उनके बर्ताव करने के तरीके

Unit – 4

<u>समाजीकरण और शिक्षार्थी का संदर्भ</u>

- समाजीकरण की अवधारणा : प्रमुख विमर्श, इसके माध्यम के रूप में शिक्षा तथा प्रमुख कारक
- समाजीकरण की संस्थाएं एवं उनकी भूमिका : परिवार, समुदाय, विधालय, मित्रमंडली, शिक्षक, मिडिया बाजार, अन्य औपचारिक व अनौपचारिक संस्थाएं ; सामाजिक संस्थाएं जैसे संस्कृति, वर्ग, जाति, जेण्डर आदि
- समाजीकरण की प्रक्रिया और सामाजिक वास्तविकताएं : असमानता, और इनका बच्चों व किशोरों पर प्रभाव

Unit – 5

<u>शिक्षार्थीयों में विविधता की समझ</u>

- मानवीय विविधता की प्रकृति एवं अवधारणा :सामाजिक एवं संस्कृतिक विविधता;
- मनोवैज्ञानिक विशेषताओं के आधार पर भिन्नताओं के आयाम : बौद्धिकता, क्षमता, अभिरुचि, अभिवृत्ती, सृजनात्मकता, व्यक्तित्व

- विविध संदर्भ के शिक्षार्थीयों की समाझ : सामाजिक, सांस्कृतिक, समुदाय, धर्म, जाति, वर्ग, जेण्डर, भाषा और भौगोलिक स्थिति, मिडिय, बाजार, तकनीक व वैश्वीकरण
- विधालय में विविधता की समझ

C-2

Contemporary India and Education.

समकालीन भारत और शिक्षा

Unit -1

भारत में शिक्षा : अतीत से वर्तमान तक

- वैदिक कालीन एवं बौद्ध कालीन व्यवस्था पर चितन-मनन, गुण-दोष तथा प्राचीन शिक्षा केंद्र
- मध्यकाल में शिक्षा : मकतब, मदरसा व संस्कृत शिक्षा
- अठारहवीं शताब्दी के दौरान की देशज शिक्षा व्यवस्था

Unit -2

ब्रिटिश तथा स्वतंत्रता पश्चात शिक्षा

- ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान उभर कर आयी शिक्षा व्यवस्था : मिशनरी स्कूल, ब्रिटिश राज के अंतर्गत गठित औपचारिक शिक्षा की व्यवस्था; भारतीयों द्वारा गठित शैक्षिक संस्थाएं एवं आंदोलन (जैसे कि यंग बंगाल आंदोलन, देवबंद, आर्यसमाज, अलीगढ़, सत्यशोधक समाज, जामिया स्कूल, बुनियादी शिक्षा)
- स्वतंत्रता पश्चात, भारत में शिक्षा का विकास - प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा की समस्याएँ
- बिहार में शिक्षा का ऐतिहासिक विकास - सभी के लिए शिक्षा व्यवस्था, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाएँ

Unit -3

शिक्षा की समझ

- शिक्षा : महत्व एवं प्रकृति; "शिक्षित व्यक्ति कौन है" इसका विश्लेषणात्मक समझ
- भारतीय चितकों के शिक्षासम्बंधी विचारों का विश्लेषणात्मक समझ : सैयद अहमद खां, ज्योतिबा फुले, स्वामी विवेकानन्द, श्री अरविन्दो, पंडित मदन मोहन मालवीय, डॉ. जाकिर हुसैन, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ.एस.राधाकृष्णन, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर, जे. कृष्णमूर्ति
- पाश्चात्य चिंतकों के शैक्षिक विचारों का विश्लेषणात्मक समझ : प्लेटो, रूसो ,जॉन डीवी, फ्रेरे
- गाँधी के 'हिन्द स्वराज' और टैगोर के 'शिक्षा' के माध्यम से शिक्षा की समझ

Unit - 4

समकालीन भारतीय शिक्षा और इसके मुद्दें

- शिक्षा का सार्वभौमीकरण : शिक्षा का अधिकार तथा शिक्षा तक बच्चों की सार्वभौमीकरण पहुंच
- शिक्षा में असमानता : सरकारी व प्राईवेट विधालयों का संदर्भ, विधालयों की शहरी व ग्रामीण अवस्थिति का प्रभाव; सामाजिक -संस्कृतिक - आर्थिक आयाम
- राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय तनाव, अशांति, सामुदायिक द्वंद, सामाजिक अन्याय का शिक्षा पर पड़ते प्रभाव की समझ
- समान विधालय प्रणाली की संकल्पना : सी. एस. एस.रिपोर्ट (बिहार सरकार) के विशेष संदर्भ में

Unit -5

शैक्षिक नीतियों के आलोक में विधालय की समझ

- विधालय का नाम एवं प्रकार : नीतिगत परिप्रेक्ष्य के आलोक में विकास; भारत और विशेषरूप से बिहार में विधालयों की समकालीन संरचना को समझाने के स्रोत के रूप में
- विधालय की पाठ्यचर्या : नीतिगत परिप्रेक्ष्य के आलोक में विकास, विधालयी पाठ्यचर्या में समकालीन बदलावों की समझ, बिहार विशेष को ध्यान में रखते हुए

- विधालय में मूल्यांकन व्यवस्था : प्रमुख बदलावों से सम्बंन्धित नीतिगत, परिप्रेक्ष्य, बिहार के विधालयों में मूल्यांकन व्यवस्था का संदर्भ

C-3
Learning and Teaching
सीखना और सिखाना

Unit - 1

सीखना और सीखाना

- अधिगम से सम्बन्धित अवधारणाएँ
- अधिगम सीखना विभिन्न विचारो से परिचय
- अधिगम को प्रभावित करनवाले प्रमुख कारक
- सीखने मे एकाग्रता की भूमिका एंव इसका संवर्धन
- अंतर्सम्बंधो कि विश्लेषणात्मक समझ अधिगम और विकास अधिगम और अभिप्रेरणा अधिगम और अधिगम और बुध्दि

Unit - 2

अधिगम के सैध्दांतिक परिप्रेक्ष्य

- अधिगम से सम्बंधित सिध्दांतो के विकास का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- अधिगम से सम्बंधित सिध्दांतो की समझ व्यवहारवादी मानवतावादी, संज्ञानवादी, सूचना–प्रक्रियाकरण मत, समाजिक–सर्जनवादी दृष्टिकोण

Unit - 3

अधिगम और शिक्षण

- अधिगम–शिक्षण प्रक्रिया से संबधित विविध दृष्टिकोण की समझःशिक्षक केन्द्रित विषय–केन्द्रित एंव बाल – केन्द्रित, ज्ञान से सम्प्रेषक आदर्श सुगमकर्ता एंव सह– अधिगमकर्ता के रूप मे शिक्षक
- शिक्षण के समाजिक– सर्जनवादी प्ररिप्रेक्ष्य एंव इसके निहितार्थो की समझ
- सृजनात्मक अधिगमः अवधारणा एंव शिक्षाशास्त्रीय निहीतार्थो की समझ
- अधिगम– शिक्षण के लिए सुगम महौल का निर्माण प्रमुख बिन्दु एंव चुनौतियां

Unit - 4

कक्षायी प्रक्रियाएं एंव सीखने की योजना

- कक्षायी प्रक्रियाएं प्रभावी कारक, प्रमुख चुनौतियां समय प्रबंधन शिक्षक का सम्प्रेषण कौशल, शिक्षार्थियो की भूमिका
- विभिन्न कक्षायी गतिविधियो के अनुसार कक्षाकक्ष की बैठक व्यवस्था
- कक्षायी गतिविधियों को पाठयचर्चा शिक्षणशास्त्र एंव शिक्षण संसाधनो के साथ जोडना
- कक्षाकक्ष शिक्षण के संदर्भ मे माइक्रो टीचिंग और ब्लुम की टेक्सोनोमी का आलोचनात्मक समझ
- सीखने की योजना की अवधारण को समझना पारम्परिक पाठ योजना को बदलकर सीखने की योजना का प्रयोग

Unit – 5

अधिगम, शिक्षण और आकलनःप्रमुख मुदे एंव चुनौतियो

- अधिगम, शिक्षण और आकलन : विधालयी प्रकियाओ की समकालीन वास्तविकता
- प्रमुख मुदेः मार्किंग बनाम ग्रेडिंग बच्चो को फेल न करने की नीति वास्तुनिष्ठता बनाम विषयनिष्ठता
- अधिगम शिक्षण और आकलन का जुडाव युक्तिया एंव चुनौतिया शिक्षक की भूमिका

C-4
Language across the Curriculum
सम्पूर्ण पाठ्यचर्या में भाषा

Unit - 1

शिक्षार्थी और उनकी भाषा

- भाषा का अर्थ , प्रकृति क्षेत्र, कार्य एंव पृष्ठभुमि
- भाषा और धर्म, भाषा और कक्षा, साहित्य का भाषा में योगदान
- गृहभाषा तथा विधालयी भाषा/व्दितीय भाषा, औपचारिक और अनौपचारिक भाषा
- मौखिक और लिखित भाषा अर्थ सिध्दांत उदेश्य महत्व एंव सह संबध

Unit – 2

भाषा, कौशल और भाषा प्रयोगशाला

- भाषा में मौखिक अभिरूचि, मौखिक सैध्दांतिक भाषा की अभिरूचि, छात्राध्यापकों में मौखिक हावभाव/भाषण का विकास सीखने के उपकरण विचार विमर्श, कक्षा कक्ष में प्रश्न पुछना, पठन–पाठन में शिक्षण कौशल का पाठय पुस्तको व्दारा विकास गलत उच्चारण की समस्या और समाधान
- भाषा कौशल– सुनना बोलना लिखना अर्थ, महत्व सहसंबध विधियां तथा तकनीकियॉ
- भाषा प्रयोगशाला– आवश्यकता महत्व लाभ, इसकी शिक्षक प्रशिक्षण मे उपयोगिता

Unit – 3

विधालयी पाठ्यचर्या में कौशल

- श्रवण कौशल– उच्चारण, दाब, तथा लय तथा मौखिक अभिरूचि
- वाचन कौशल– उच्चारण , दाब, लय त्तथा मोखिक अभिरूचि
- लेखन कौशल– लेखक के पहलु आकार, ध्वनि, अर्थ शब्दविन्यास संकेतन शब्द वाक्य लेखन–अभिव्यक्ति समझना एंव तार्किक संक्षेपण करने की सामर्थता, लेख निबंध पत्र, कहानी लेखन, कविता, घटना रिर्पोट , आर्टिकल का वर्णन लिखना इत्यादि
- पठन कौशल व्यंजन स्वर शब्द वाक्य, पहचान, समझ, मंद तथा उच्च पठन

C – 6

Gender, School and Society

जेण्डर, विधालय और समाज

Unit – 1

जेण्डर की समझ

- जेण्डर और लिंग की अवधारणा
- जेण्डर पक्षपात, जेण्डर सम्बंधी रूढीगत मान्यताएं जेण्डर सशक्तिकरण की समझ
- भारत में जेण्डर का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- जेण्डर और पितृसता

Unit – 2

जेण्डर और समाजीकरण

- जेण्डर सम्बंधी सैध्दांतिक परिप्रेक्ष्य :समाजीकरण का सिद्धांत जेण्डर विभेद, संरचनात्मक सिद्धांत पुर्नविचारत्मक सिद्धांत
- जेण्डर अस्मिता और समाजीकरण की प्रकियांए धर्म परिवार समाज, मीडिया विधालय आदि की भूमिका

Unit – 3

जेण्डर अध्ययनः परिप्रक्ष्यो का विकास एंव शिक्षक

- जेण्डर से संबंधित शोधो का संदर्भ
- जेण्डर सम्बंधी प्रमुख समाजिक सुधार आंदोलनो की समझ
- जेण्डर समानता में शिक्षाा की भूमिका लडकियों के शिक्षा का महत्व
- शिक्षक कि परिवर्तनकारी एंव जेण्डर संवेदनशील भुमिका

C-8

Knowledge and Curriculum

ज्ञान और पाठ्यचर्या

Unit – 1

शिक्षा के प्रयोजन

- शिक्षा के प्रयोजनः व्यक्तिगत या समाजिक विकास ज्ञान या सूचना देना भौतिक या आध्यात्मिक विकास, उपयोगिता की कसौटी शिक्षा का राजनैतिक एजेण्डा
- शिक्षा और मुल्यः शिक्षा के प्रयोजन मे मुल्यो का स्थान मूल्य क्या हे वे सापेक्ष या निरपेक्ष उनको कौन निर्धारित करता है संदर्भो के साथ वे कैसे बदलते है और इससे शिक्षा के प्रयोजन पर क्या प्रभाव पडता हैं
- शिक्षा और संवैधिक मुल्यः लोकतंत्र समानता स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता और समाजिक न्याय

Unit – 2

शिक्षा एंव पाठ्यचर्या का विश्लेषण

- स्वतंत्रता भारत के प्रमुख नीतिगत दस्तावेजो के माध्यम से शिक्षा के लक्ष्यों एंव पाठ्यचर्या के विश्लेषण के आलोक में राधाकृष्णन आयोग मुदालियर आयोग , कोठारी आयोग संस्कृत आयोग राष्ट्रीय ज्ञान आयोग एंव राष्ट्रीय शिक्षा नीति
- शिक्षा की चुनौतियॉ– समीक्षात्मक मुल्यांकन

Unit – 3

ज्ञान और जानना

- शिक्षा, ज्ञान और दर्शनशास्त्र के अंतर्संबंध की समझ
- सुचना, धारणा ओर सत्य की अवधारणा, तथा उनका ज्ञान के साथ सम्बंध की चर्चा
- ज्ञानसीमाः प्रमुख विचारधारए और भारतीय दर्शनशास्त्र
- जानने की प्रकियाः जानने के विविध तरीके ज्ञान के निर्माण में पुर्वज्ञान और जाननेवाले की भूमिका सामाजिक सांस्कृतिक आयामो का जानने में भुमिका

Unit – 4

पाठ्यचर्या की समझ

- पाठयचर्चाः अवधारणा व महत्व पाठयचर्चा की रूपरेखा, पाठयचर्चा पाठयक्रम एंव पाठयपुस्तक की अवधारणा के मध्य स्पष्टता
- पाठयचर्चा के निधारकः लक्ष्य एंव उदेश्य नियम ज्ञान का वर्गीकरण वैचारिक दृष्टिकोण शिक्षार्थी का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ विधालयी व राष्ट्रीय स्तर के कारक
- विधालयी पाठयचर्चाः प्रमुख अवयव तथा उनकी प्रकृति शिक्षक तथा शिक्षार्थी की भुमिका कियावयन की प्रमुख चुनौतिया।

Unit – 5

विधालय ज्ञान, पाठयचर्चा और शिक्षा का संदर्भ

- विधालय में ज्ञानऔर जानना स्वरूप स्थान ओर प्रकियॉए पैराडाइम
- विधालय मे ज्ञान को आकारा देने मे पाठयचर्चा एक प्रमुख निर्धारक के रूप में
- विधालय के बाहर के परिवेश से शिक्षा का जुडाव
- ज्ञान, पाठयचर्चा और शिक्षा शिक्षणशास्त्र कि समझ के साथ शिक्षक की भुमिका

C – 9

Assessment and Learning

आकलन और सीखना

Unit - 1

आकलन के आधार

- आधारभुत अवधारणाएं आकलन मुल्याकंन, मापन, परीक्षण परीक्षा, रूपांतरित एंव समेकित मुल्याकंन
- विभिन्न मतो के अनुसार आकलन के प्रयोजन
  व्यवहारवादी ,संरचनावादी सामाजिक सांस्कृतिक पाराडाइम

Unit – 2

सीखने की प्रकिया एंव आकलन

- सीखने का आकलन और सीखने के लिए आकलन में अंतर शिक्षणशास्त्रीय निर्णय लेने के लिए आकलन।
- सीखने की प्रकिया में आकलनः बदलती अवधारणांए एंव उनका विश्लेषण, सतत एंव व्यापक मुल्यांकन की आवधारणा एंव ग्रेडिंग आकलन के लिए चिंतन मनन एंव लचीलपन

Unit - 3

आकलन के वर्तमान तरीको का विश्लेषण

- वर्तमान में प्रचलित मुल्यकंन के तरीकों एंव मान्यताओं का आलोचनात्मक समीक्षाः सफल या विफल करने के लिए परीक्षा, सामाजिक एंव सांस्कृतिक पदानुक्रम बनाने के लिए परम्परागत परीक्षा, विधालय पर परीक्षा–उन्मुख शिक्षण का प्रभाव, विभिन्न परीक्षा स्वरूपो जैसे प्रश्नोतरी प्रतियोगिता असेट ओलंपियाड, आदि की आलोचनात्मक एंव समझ
- शिक्षार्थीयो के सीखने, मनोबल एंव अस्मिता पर आकलन के वर्तमान तरीको का प्रभाव, बच्चों को तेज या मंद कहकर लेबल करने का गलत प्रभव प्राथमिक स्तर पर नो डिटेन्शन पॉलिसी की आलोचनात्मक समझ

Unit - 4

आकलन के विविध आयाम

- सर्जनवादी परिप्रेक्ष्य में सीखने की अवधारणा को प्रसारित करना, आकलन के सुचकों का विकसित करने की क्षमता, आकलन के लिए कार्यं , प्रोजेक्ट प्रदत कार्य, प्रश्नो की समझ जो शिक्षार्थी समझ सके एंव वास्तविक अनुक्रिया की अभिव्यक्ति कर सके।
- सीखने की प्रक्रिया का अवलोकनः स्वयं तथा सहपाठी शिक्षकों व्दारा, शिक्षार्थी पोर्टफोलियो का विकास, शिक्षक डायरी , समुह कार्य।

Unit - 5

कक्षाकक्ष में आकलन

- आकलन के अनिवार्य तत्व के रूप में फिडबैक की अवधारणा : शिक्षकों के फिडबैक के तरीके, शिक्षार्थियों एंव अभिभावकों को फिडबैक, सहपाठी फिडबैक एंव गुणात्मक विश्लेषण
- शिक्षार्थी के लिए व्यापक प्रोफाईल का निर्माण एंव उसका अधतन
- आकलन में आनेवाली चुनौतिया।

C-10

Creating an Inclusive School

समावेशी विधालय का निमार्ण

Unit - 1

समावेशी शिक्षा एंव नीतियां

- समावेशी शिक्षाः अवधारणा के विकास की समझ, विशिष्ट शिक्षा एंव समेकित शिक्षा के संदर्भ में तुलनात्मक समझ
- सम्बंध्द नीतिगत दस्तावेजो का विश्लेषण

Unit - 2

समावेशी विधालय का निर्माण

- शिक्षार्थियों में विविधता की समझ तथा इसका महत्व
- समावेशी विधालय की संकल्पना : अवसंरचना और पहुच मानव संसाधन, विविधता के प्रति विधालय का दृष्टिकोण
- समावेशी शिक्षा के लिए विधलयों की तैयारीः भारत व बिहार विशेष का संदर्भ विधालय समुदाय समुदाय व राज्य की भुमिका

Unit - 3

समावेशी कक्षाकक्ष के लिए शिक्षक एंव शिक्षणशास्त्र

- समावेशी कक्षाकक्षः प्रक्रियाओ की समझ
- विषय और शिक्षणशास्त्र : समावेशीकरण की प्रकृति
- शिक्षकों में समावेशी कक्षाकक्ष की अवधारणा
- कक्षाकक्ष के लिए शिक्षकों की तैयारी

EPC-1

Reading and Reflection on Texts.

साहित्य का पठन एवं उस पर मनन

Unit – 1

प्राचीन एंव मध्यकालीन साहित्य

इस इकाई में प्राचीन एंव मध्यकाल के कुछ वैसे साहित्यो का पठन यिका जाएगा जो उस समय की शिक्षा को दर्शाते हैं । इस दिशा में निम्नलिखित को मुल अध्ययन के लिए चुना गया हैं

- उपनिषदो से संवाद अंश
- पंचतत्र की कहानियां
- बौध्द साहित्य से कथाएं
- जैन साहित्य से कथाएं
- गुलिंस्ता – बोस्ता से कथाएं एंव अन्य साहित्य इस इकाई में और भी कई प्राचीन एंव मध्यकालीन साहित्यों काो जोडकर सवंर्धित किया जा सकता हैं

Unit – 2

आधुनिक और समाकालिन साहित्य

इस इकाई में वैसेस आधुनिक व समाकालीन साहित्यों को पढने पर जोर है जिसमें शिक्षा के मुदो को सार्थक तरीके से उठाया गया है । इस इकाई मे विभिन्न भाषाओं व सामाजिक– सांस्कृतिक संदर्भो से साहित्यो को प्रस्तुत किया गया हैं। इस दिशा में, निम्नलिखित साहित्यों को मुल अध्ययनन के लिए चुना गया हैं

- विनोवा भावे की रचना शिक्षक
- प्रो डी. एस. कोठारी व्दारा रचित शिक्षा और जीवन मुल्य
- महादेवी वर्मा कृत शिक्षा का उदेश्य
- श्रीलाल शुक्ल व्दारा रचित रागदरबारी के अंश
- कृष्ण कुमार व्दारा रचित चुडी. बाजार में लडकी से अभिमन्यु की शिक्षा वाला वंश
- प्रो. अनिल सदगोपाल का लेख साक्षरता राष्ट्रीय ध्येय या शैक्षिक मापदण्ड
- अवधेश प्रीत व्दारा रचित तालीम
- तुलसीराम व्दारा रचित मुर्दहिया
- डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी का लेख शिक्षा की ललक
- बिरेन्द्र सिह रावत का लेख क्या कहते हैं सवाल

Unit - 3

स्थानिय साहित्य

यह इकाई शिक्षा   के मुदो से सम्बंधित स्थानीय साहित्यो के पठन पर आधारित है, जो निम्नलिखित हो सकते हैं

- स्थानिय कथाएं
- लोकोक्तियां
- लोक गीत
- जीवन कथांए

संस्थान अपने स्तर पर इन साहित्यो का संकलन करेगी जिसमें इसके शिक्षक एंव प्रशिक्षुओ की भुमिका होगी।

EPC-2

Drama and Art in Education

शिक्षा में नाट्य और कला

Unit – 1

प्रदर्शन कला के रूप में नाटय

- नाटयः आवधारणा की समझ और शिक्षा में इसका महत्व
- नाटय एक शिक्षणशास्त्र के रू॰ में
- नाटय का आयोजनः तैयारी और संसाधन ड्रेमेटिक सोसाईटी या नाटय समुह का निर्माण
- नाटय के स्वरूपः एकल, समुह
- नाटक करनाः कहानी, संवाद , चरित्र, संकेत, मंच की सजावट, रौशनी, भिन्न– भिन्न स्थितियों का निर्माण करना
- भारतीय और क्षेत्रीय नाटय परम्पराओ का ज्ञान
- शिक्षार्थियो में नाटय कला को प्रोत्साहित करना
- नाटय प्रदर्शन की समीक्षा और आकलन

Unit – 2

दृश्य कला एंव शिल्प

- दृश्य कला एंव शिल्प की समझ तथा शिक्षा में उनका महत्व
- दृश्य कला एंव शिल्प एंक शिक्षण– शास्त्र के रू॰ में
- दृश्य कला एंव शिल्पः विविध स्वरूप, बुनियादी संसाधन तथा उनकी उपयोगिता
- क्षेत्रीय लोक कलाओं एंव शिल्प परम्पराओं का ज्ञान
- स्माकालीन भारतीय,दृश्य कलाओं, शिल्पो एंव कलकारों का ज्ञान
- शिक्षार्थियों में दृश्य कला ंएव शिल्प को प्रोत्साहित करना
- दृश्य कला ंएव शिल्प की समीक्षा और आकलन

Unit - 3

कला – आधारित अधिगम और शिक्षक की भुमिका

- भुमिका कला को विधालयी पाठयचर्चा के साथ जुडाव
- क्ला एंव शिल्प को विधालयी पाठयचर्चा के साथ जुडाव
- विधालय और कक्षाकक्ष को कला–आधारित अधिगम के जगह के रूप मे देखना
- कला आधारित अधिगम के लिए शिक्षक की तैयारी

EPC-3

Critical Understanding of ICT

आई.सी.टी. की आलोचनात्न्मक समझ

Unit – 1

सुचना एंव संचार तकनीकी से परिचय

- सुचना एंव संचार तकनीकीः अवधारणा एंव शिक्षा के लिए महत्व
- सुचना एंव संचार तकनीकी– लक्ष्य एंव उदेश्य
- सुचना तकनीकी का अर्थ, आवश्यकताएं एंव भारत में आई0 सी0 टी0 ई0 शिक्षा का विकास
- सुचना एंव संचार प्रौधोगिकी के साधन– माध्यम,बहुमाध्यम शिक्षा में सुचना एंव सम्प्रेषण तकनीकी की भुमिका
- टेली कान्फ्रेंसिग, कम्प्युटर सहायक अधिगम तथा शिक्षण एंव इन्टरनेट इलेक्ट्रॉनिक मेंल

Unit – 2

कम्प्युटर की समझ

- परम्पारगत एंव आधुनिक सुचना तथा सम्प्रेषण तकनिकियॉ सुचना एंव सम्प्रेषण तकनिकी के लाभ एंव उपयोगिता
- ई–लार्निंग की प्रकृति, विशेषताएं विभिन्न प्रारूप एंव शैलियॉ
- ई–जर्नल्स , एडुकॉप स्मार्ट क्लास कार्यक्रम
- कक्षा शिक्षण के लिए पी.पी.टी. स्लाईडस बनाना और उनका प्रजेन्टेशन करना
- शिक्षा में समाचार पत्र की उपयोगिता

Unit – 3

आई. सी. टी. समर्थित कक्षा की संकल्पना

- ऑडियो – विजुअल समाग्रीयों प्रयोग से कक्षामे सीखन को रोचक व सहज बनाना
- कम्प्युटर चलाने का ज्ञानः चालु व बन्द करना इसके विभिन्न हार्डवेयर के कार्य की सामान्य जानकारी : कम्प्युटर के डेस्कटॉप और मेमोरी के कार्यो की सामान्य जानकारी , वर्ड प्रोसेसिंग, पावर प्वाईट का प्रयोग, एक्सेल स्प्रेडशीट, पेन्ट, फाईल डॉक्मेंट साफट कॉपी आदि का अर्थ एंव कार्य
- कम्प्युटर एंक लर्निंग टुल के रूप में : अपना ई– मेल आई.डी. बनाना, ई– मेल भेजना , इन्टरनेट पर उपयोगी सुचनाओं की खोज करने के तरीके को समझना तथा उसका उपयोग करना, डॉउनलोडिंग सीखना, ऑनलाईन फॉर्म भरना।

EPC-4

Understanding the self

स्वयं की समझ

Unit – 1

अस्मिता का समझ

- अस्मिता की अवधारणा तथ स्व के साथ इसके सम्बंध की समझ, वैयक्ति ,सामाजिक व वृतिक अस्मिता की अवधारणा
- बहुअस्मिता की समझः व्यक्ति का संदर्भ, व्यक्तिगत धारणाएं एंव मान्यताएं
- अपने वर्तमान अस्मिता के निर्माण में समाजीकरण की प्रकियाओ के प्रभावों की समझ
- अपनी बदलती अस्मिता की समझःविधार्थी से वयस्क और फिर विधार्थी – शिक्षक
- शिक्षक बनने की अपनी आकांक्षाओं व धारणाओं की समझ तथा अस्मिताा निर्माण में उनकी भुमिका

Unit – 2

शिक्षकों की अस्मिता

शिक्षकों की अस्मिता : समाकालिन विमर्श, एक आदर्श शिक्षक की संकल्पना

- भारतीय परिदृश्य में शिक्षक की अस्मिता मे आए बदलावों की समझःगुरू से प्रोफेशनल तक का विकास
- शिक्षक को अस्मिता को प्रभावित करनवाले कारक वैयक्तिक समाजिक–सांस्कृतिक राजनैतिक, आर्थिक संदर्भ
- शिक्षक की अस्मिता सम्बंधी सैध्दांतिक परिप्रेक्ष्य

Unit – 3

स्वंय में शिक्षक की अस्मिता का विकास

- अपने वर्तमान अस्मिता की समझः वैयक्तिक व सामाजिक
- शिक्षक के रूप में स्वंय को तैयार करना : शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमो की भुमिका
- अपने वृतिक अस्मिता का विकासः अपनी समझ और कार्य का विश्लेषण करना
- शिक्षक के रूप मे अपनी भुमिका की पहचान तथा इसके चुनौतियो की समझः विधालय सांस्कृति का समझ
- वृतिक संम्बधी नीतिशास्त्र की समझ एंव उनका पालन
- नेतृत्व गुण एंव भुमिका : मानिटर, कक्षा –शिक्षक, प्रधान शिक्षक, अकादमिक नेतृत्व
- विधालय प्रबंधन एंव कार्य पर नेतृत्व शैली का प्रभाव

********** **THE END** **********